तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.27/2021)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 11 मई, 2021

(www.trai.gov.in)

28 फरवरी, 2021 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1167.71**	**20.19**	**1187.90**
फरवरी, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	8.29	0.11	8.40
मासिक वृद्धि दर	0.72%	0.54%	0.71%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**639.24**	**18.47**	**657.72**
फरवरी, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.98	0.15	6.13
मासिक वृद्धि दर	0.94%	0.82%	0.94%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**528.47**	**1.71**	**530.18**
फरवरी, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.32	-0.04	2.28
मासिक वृद्धि दर	0.44%	-2.36%	0.43%
समग्र दूरसंचार–घनत्व*	**85.78%**	**1.48%**	**87.26%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	136.03%	3.93%	139.96%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	59.28%	0.19%	59.48%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.74%	91.52%	55.37%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.26%	8.48%	44.63%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**742.84**	**22.26**	**765.09**

- फरवरी, 2021 के माह में 11.68 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से जनवरी, 2020 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 552.24 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 563.92 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2021 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 981.92 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2021 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,179.49 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 1,187.90 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.71 प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी, 2021 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 651.59 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 657.72 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 527.90 मिलियन से बढ़कर 530.18 मिलियन हो गई। फरवरी, 2021 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर 0.94 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 0.43 प्रतिशत रही।

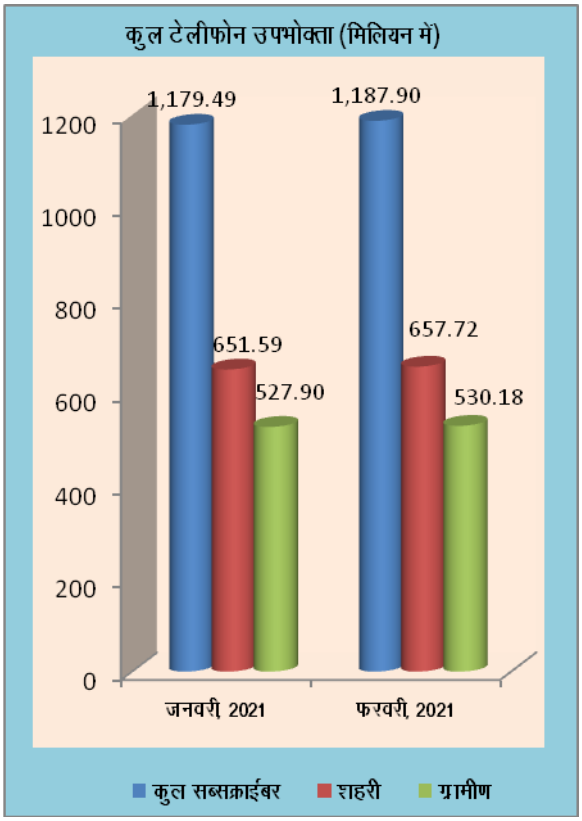

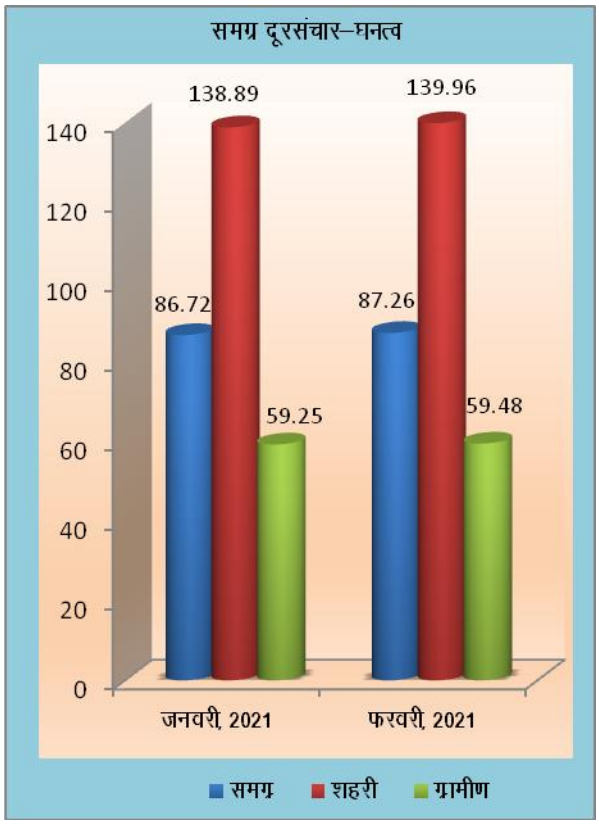

- जनवरी, 2021 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 86.72 से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 87.26 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2021 के अंत तक 138.89 से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 139.96 हो गया और ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी जनवरी, 2021 के अंत तक 59.25 से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 59.48 हो गया। फरवरी, 2021 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.37 प्रतिशत तथा 44.63 प्रतिशत थी।

दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार–घनत्व

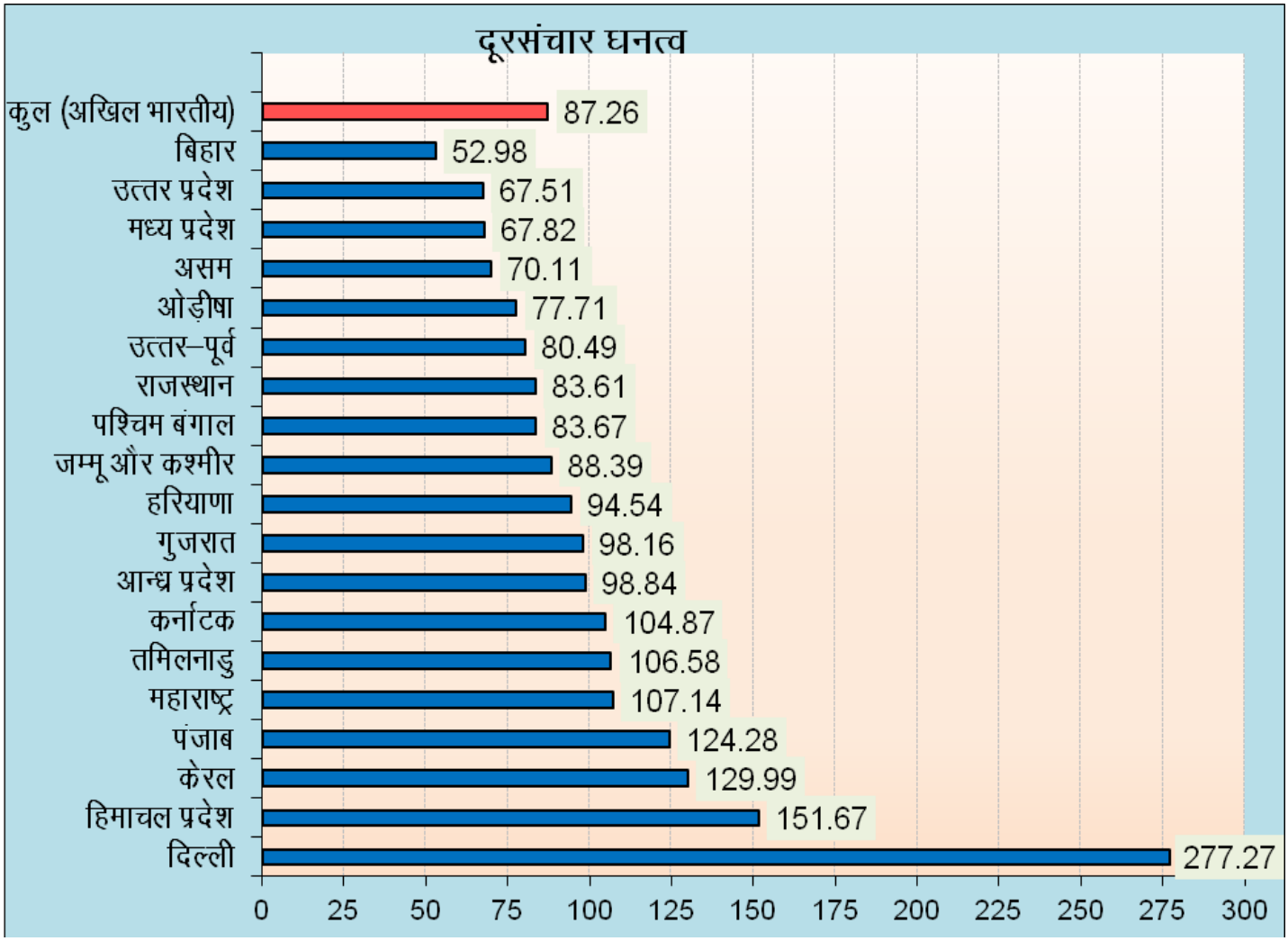

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2021 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 277.27 रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 52.98 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2021 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2021 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	40,715	2,050,033	7,705,319	399,878,240
श्रेणी – ख	19,587	3,621,560	4,484,346	472,000,397
श्रेणी – ग	16,181	244,875	921,621	179,234,537
महानगर	31,657	2,376,200	7,075,347	116,595,413
अखिल भारतीय	**108,140**	**8,292,668**	**20,186,633**	**1,167,708,587**

फरवरी, 2021 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2021 से, फरवरी 2021 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) फरवरी, 2020 से फरवरी, 2021 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	0.53%	0.52%	-1.69%	0.26%
श्रेणी – ख	0.44%	0.77%	-2.62%	0.92%
श्रेणी – ग	1.79%	0.14%	11.15%	1.56%
महानगर	0.45%	2.08%	1.26%	-0.85%
अखिल भारतीय	**0.54%**	**0.72%**	**-0.36%**	**0.61%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2021 माह के दौरान मासिक आधार पर वायरलेस सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर सेवा क्षेत्र श्रेणी 'महानगर' को छोड़कर सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में फरवरी, 2021 माह के दौरान मासिक आधार पर सभी सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल श्रेणी ग एवं महानगर के सेवा क्षेत्र के उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2021 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,159.42 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 1,167.71 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.72 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2021 के अंत तक 633.27 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 639.24 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या भी 526.15 मिलियन से बढ़कर 528.47 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर 0.94 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर 0.44 प्रतिशत रही।

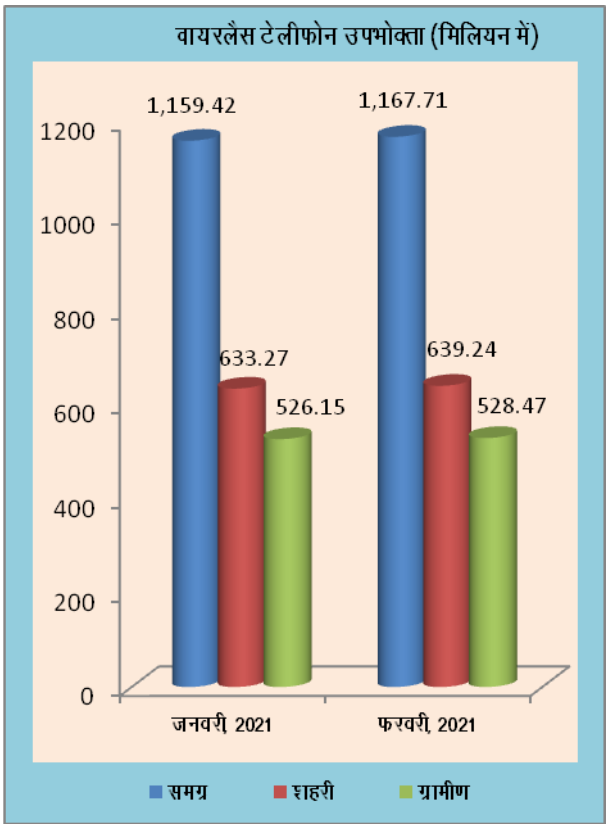

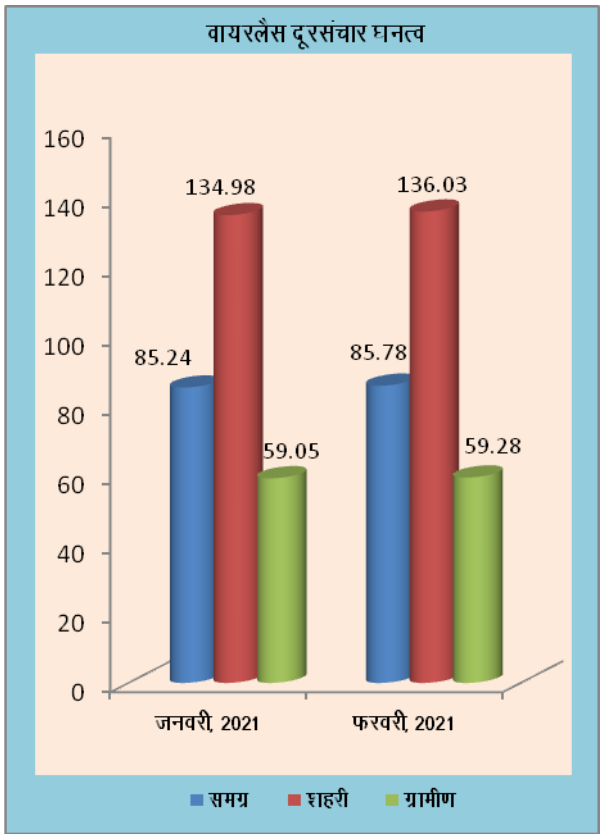

- जनवरी, 2021 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 85.24 से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 85.78 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2021 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 134.98 से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत में 136.03 हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 59.05 से बढ़कर 59.28 हो गया। फरवरी, 2021 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.74 प्रतिशत तथा 45.26 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.57 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.43 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।
- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

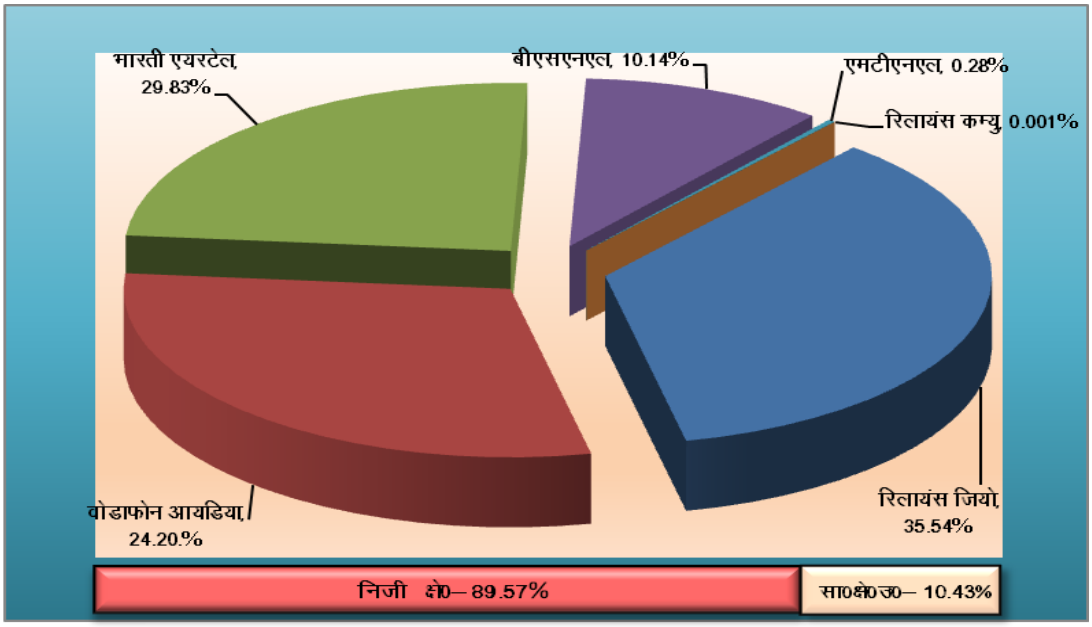

फरवरी, 2021 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

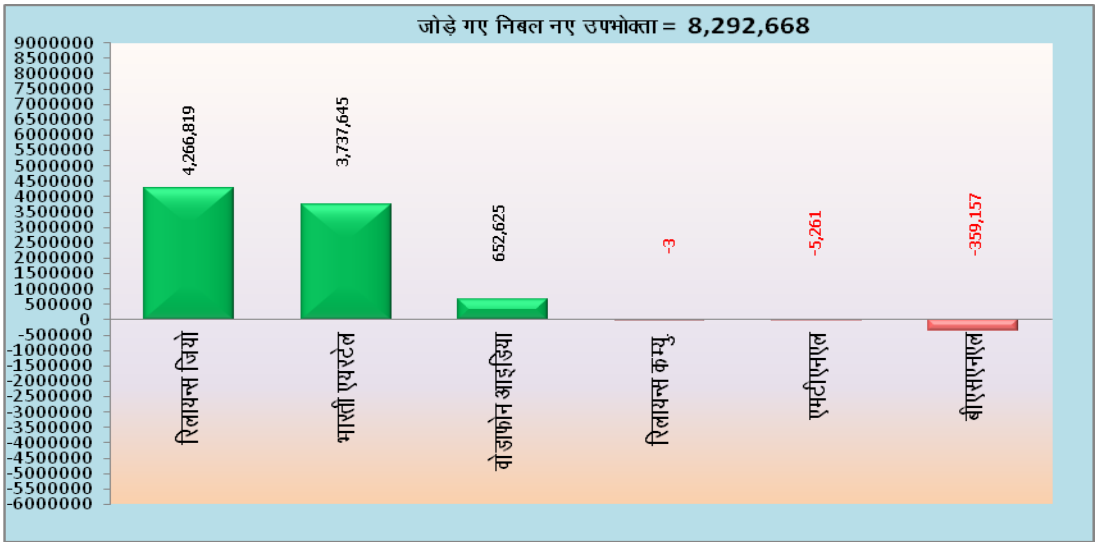

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि

फरवरी, 2021 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

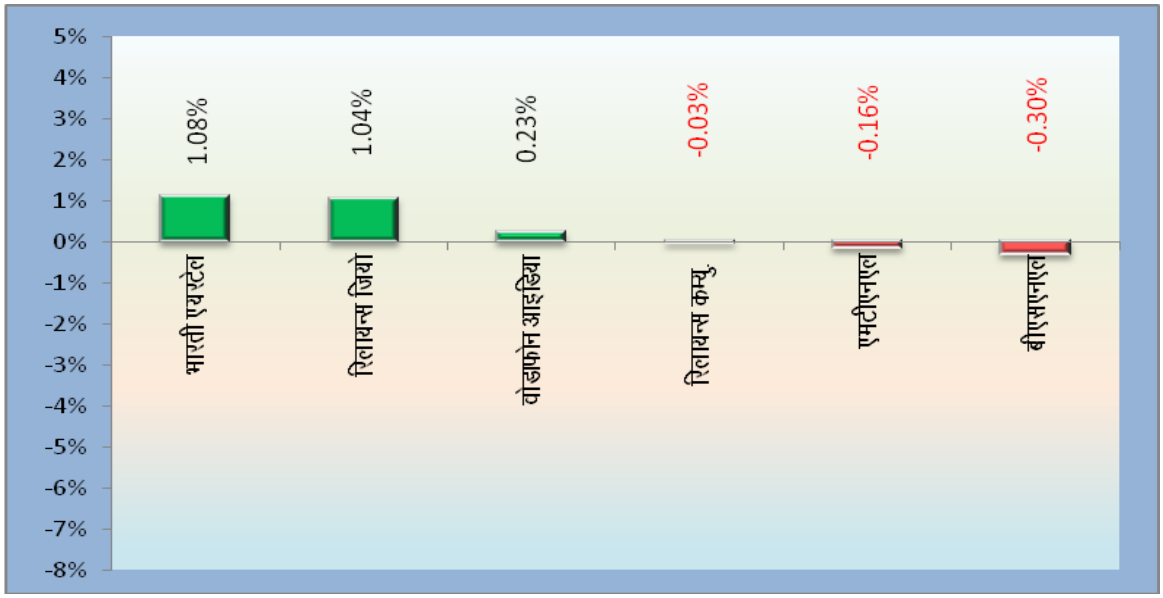

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

फरवरी, 2021 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

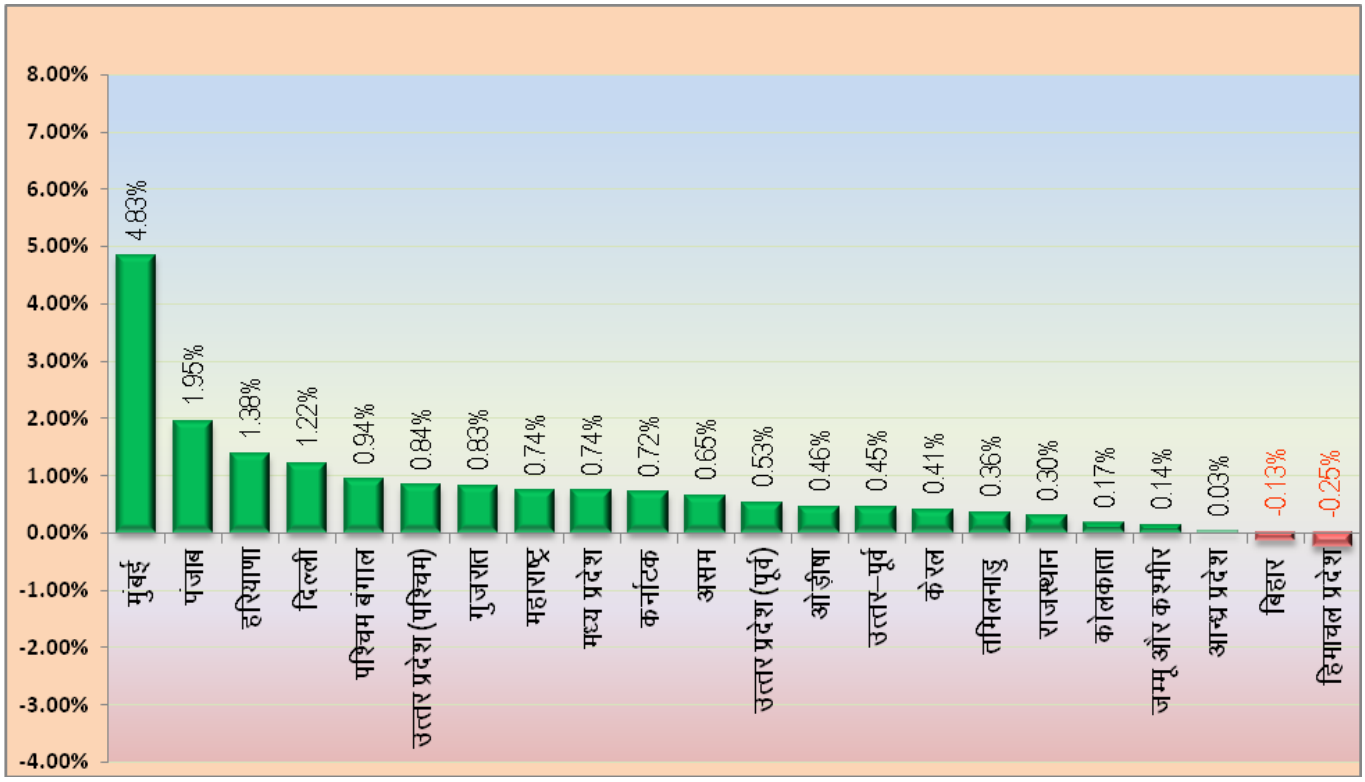

- फरवरी, 2021 माह के दौरान बिहार एवं हिमाचल प्रदेश सेवा क्षेत्र को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान मुम्बई सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 4.83 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

V. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,167.71 मिलियन) में से 981.92 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.09 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2021 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

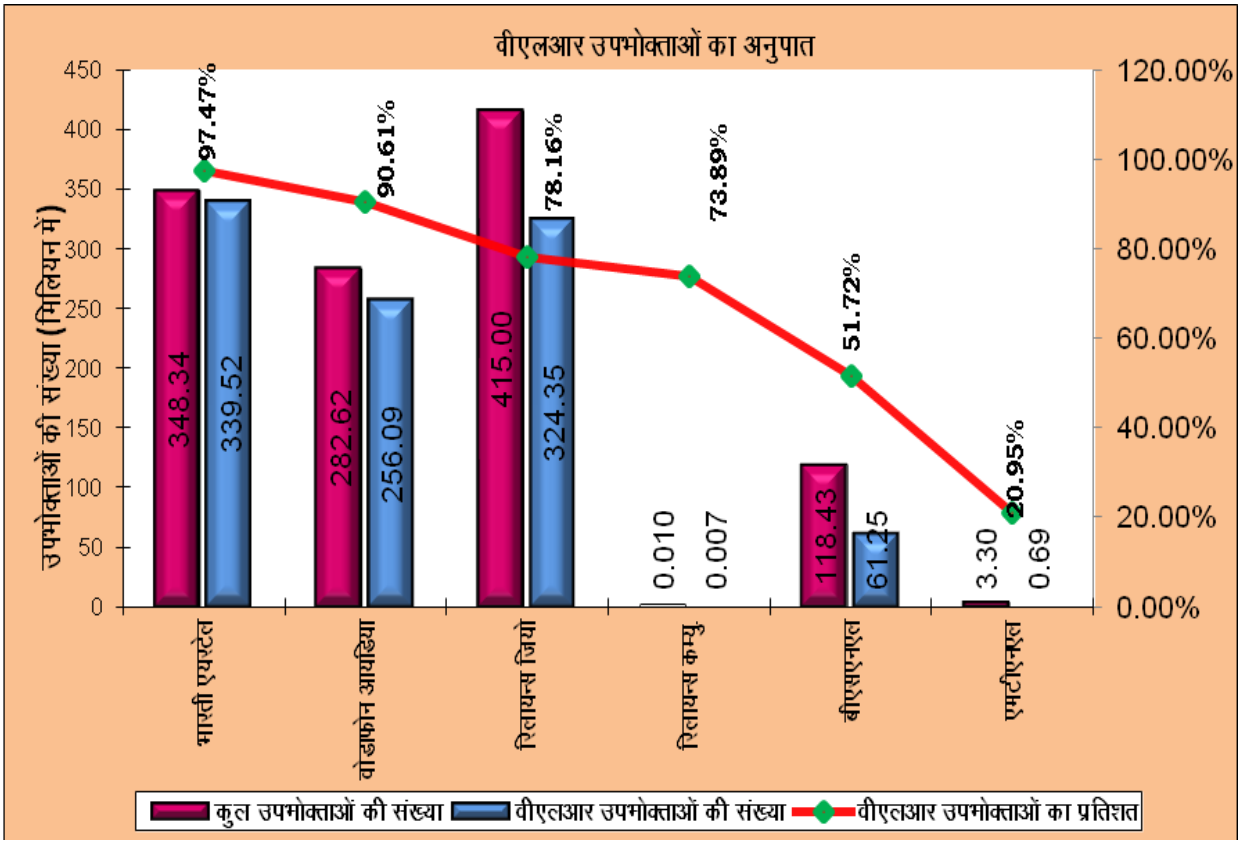

- फरवरी, 2021 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 97.47 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 20.95 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

फरवरी, 2021 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

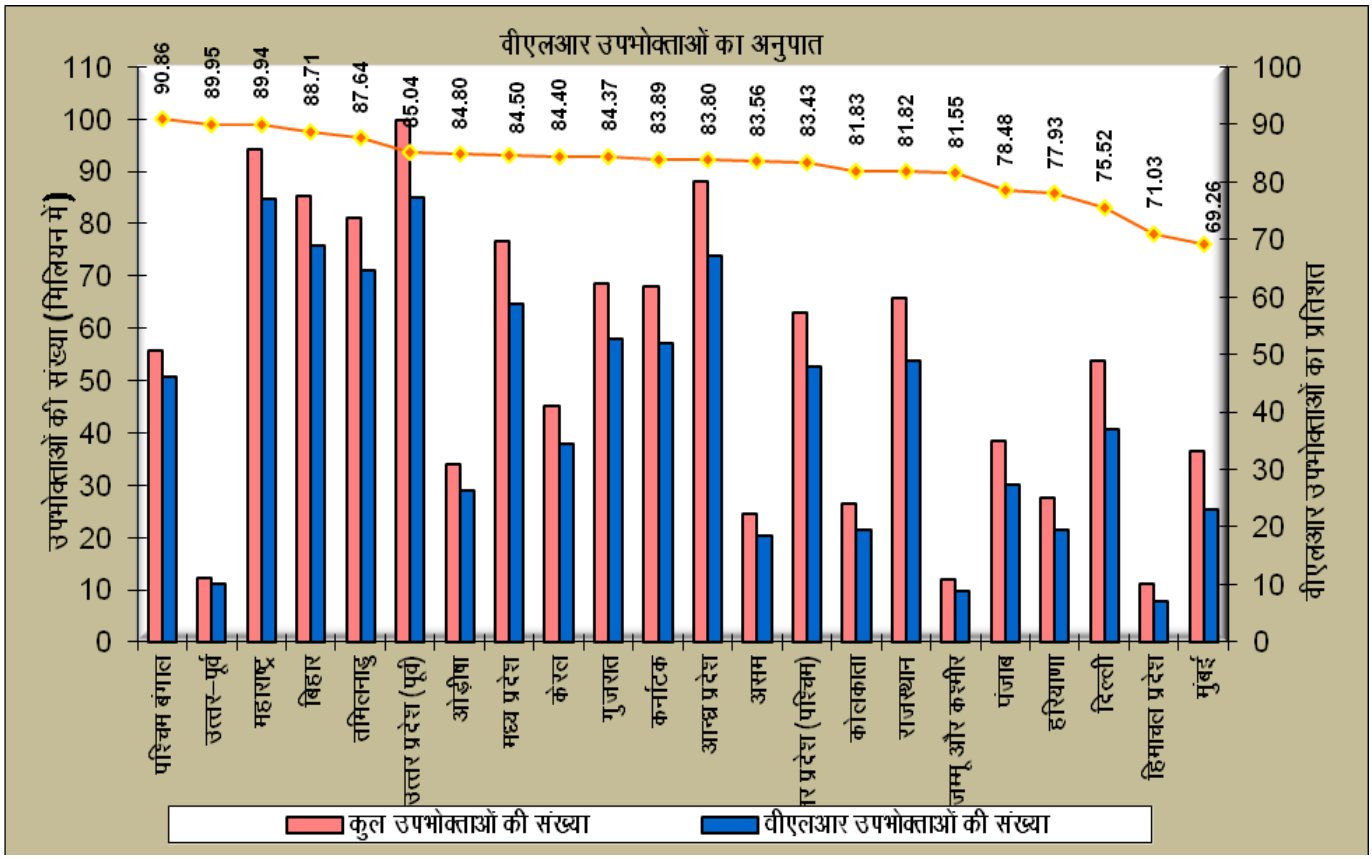

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2021 के माह में कुल 11.68 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 11.68 मिलियन अनुरोधों में से 6.39 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 5.30 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2021 के अंत तक 552.24 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत तक 563.92 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 46.05 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 41.57 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 47.53 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 45.30 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	जनवरी, 21	फरवरी, 21		जनवरी, 21	फरवरी, 21
दिल्ली	27.60	28.06	आन्ध्र प्रदेश	44.66	45.30
गुजरात	37.13	37.79	असम	4.04	4.09
हरियाणा	19.25	19.52	बिहार	24.41	25.36
हिमाचल प्रदेश	2.65	2.69	कर्नाटक	47.00	47.53
जम्मू और कश्मीर	1.29	1.30	केरल	14.89	15.16
महाराष्ट्र	44.94	46.05	कोलकाता	12.28	12.43
मुंबई	25.09	25.27	मध्य प्रदेश	38.63	39.80
पंजाब	21.33	21.63	उत्तर–पूर्व	1.53	1.55
राजस्थान	40.82	41.57	ओड़ीशा	10.79	11.05
उत्तर प्रदेश–पूर्व	34.59	36.13	तमिलनाडु	44.02	44.50
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	27.94	29.01	पश्चिम बंगाल	27.35	28.15
कुल	**282.63**	**289.02**	कुल	**269.61**	**274.91**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**552.24**	**563.92**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2021 माह में)				**11.68** मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2021 के अंत तक 20.08 मिलियन से बढ़कर, फरवरी, 2021 के अंत तक 20.19 मिलियन हो गई। इस माह में 0.54 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.11 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी, 2021 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 91.52 प्रतिशत तथा 8.48 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व में कोई भी बदलाव नहीं हुआ और फरवरी 2021 माह के अंत में भी 1.48 प्रतिशत रहा। इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.93 प्रतिशत तथा 0.19 प्रतिशत रहा।

- 28 फरवरी, 2021 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 48.23 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। फरवरी, 2021 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

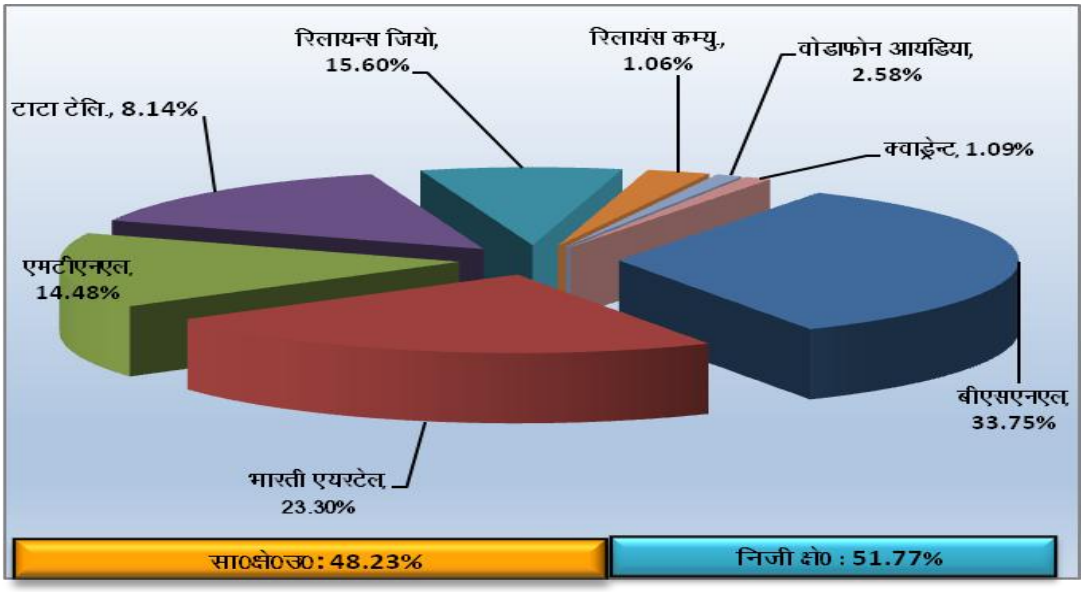

फरवरी, 2021 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

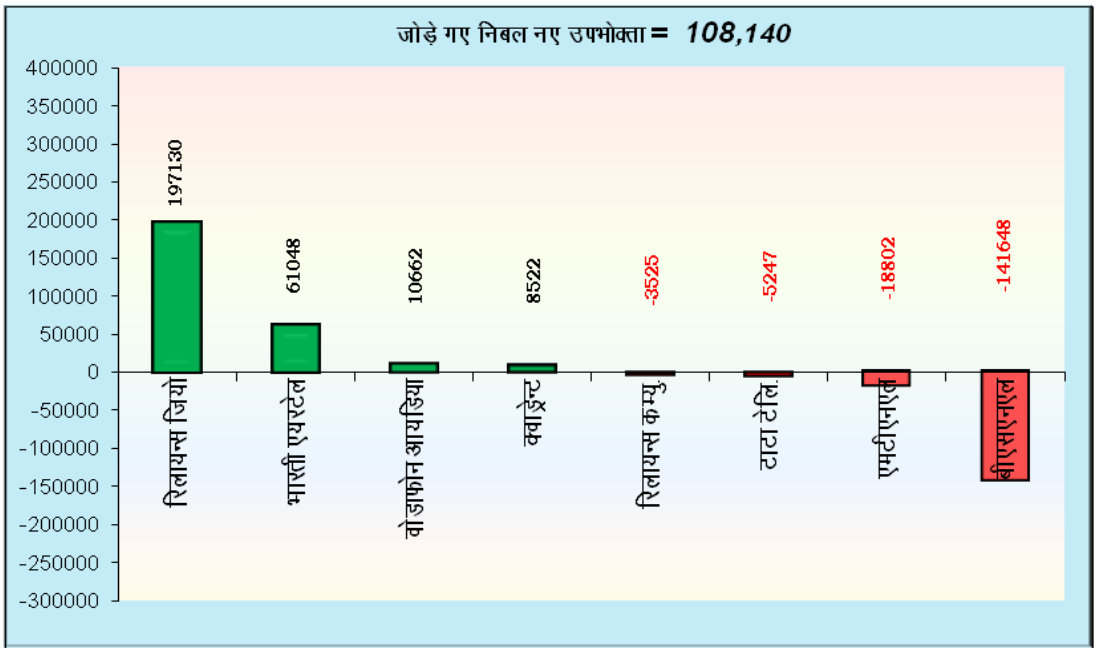

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- फरवरी माह में 402 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी, 2021 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 757.61 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2021 के अंत में 765.09 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.99 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है: –

  फरवरी, 2021 के माह की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2021 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	22.67	22.26	-1.85%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	734.26	742.19	1.08%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.67	0.65	-3.57%
कुल	**757.61**	**765.09**	**0.99%**

- फरवरी, 2021 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.83 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (417.42 मिलियन), भारती एयरटेल (188.21 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.28 मिलियन), बीएसएनएल (25.42 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.82 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

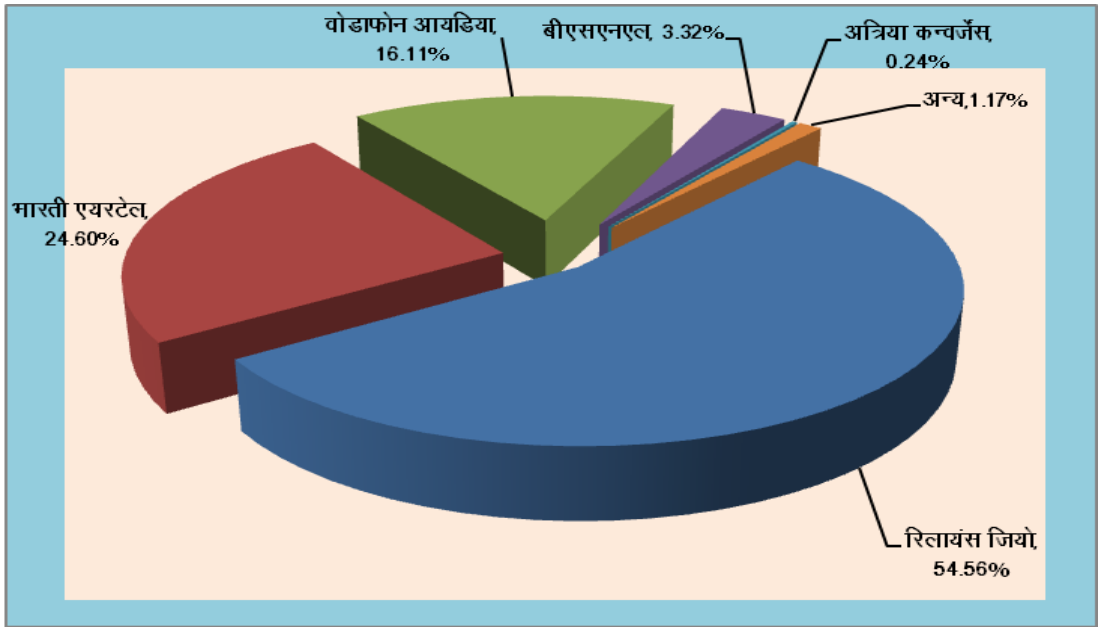

- दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (6.82 मिलियन), भारती एयरटेल (2.99 मिलियन), रिलायंस जियो (2.43 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.82 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (1.07 मिलियन) थे।

- दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (415 मिलियन), भारती एयरटेल (185.22 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.27 मिलियन), बीएसएनएल (18.60 मिलियन) तथा तिकोना इनफिनिट लि. (0.31 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23234367
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः advfea2@trai.gov.in

(राजीव सिन्हा)
सचिव प्रभारी, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21
आन्ध्र प्रदेश	30958572	31031131	1129	1129	16008882	15818541	9670048	9662168					31403139	31551417	**88041770**	**88064386**
असम	9035945	9100301			3288855	3235350	2981556	3009116					8971781	9092078	**24278137**	**24436845**
बिहार	35720188	35605997	176	176	12241896	12122243	5969667	5882003					31548147	31754296	**85480074**	**85364715**
दिल्ली	16121509	16185271	511	511	15528840	15856412					2166582	2165334	19214651	19470227	**53032093**	**53677755**
गुजरात	11647275	11986907	196	196	25004003	25082556	5893532	5898496					25492329	25631164	**68037335**	**68599319**
हरियाणा	5170560	5386412	86	86	8058043	8118660	5025030	5061363					8935245	8998423	**27188964**	**27564944**
हिमाचल प्रदेश	3383829	3341977	96	96	703989	683441	3019555	3013128					4046636	4087620	**11154105**	**11126262**
जम्मू और कश्मीर	5643053	5594198	0	0	506733	497391	1261114	1263252					4521120	4593889	**11932020**	**11948730**
कर्नाटक	30005365	30393391	1893	1891	9213164	9179916	7258275	7232679					20968240	21123209	**67446937**	**67931086**
केरल	6601014	6725494	479	479	17350822	17282799	10930697	10927773					9932427	10060424	**44815439**	**44996969**
कोलकाता	6004324	5918026	28	28	6869490	6872486	2529115	2492335					10890982	11055992	**26293939**	**26338867**
मध्य प्रदेश	14969682	15239572	509	509	21410910	21393666	6299899	6258650					33365519	33716180	**76046519**	**76608577**
महाराष्ट्र	18223807	18857112	453	453	32621591	32290387	6912662	6868164					35611070	36046728	**93369583**	**94062844**
मुंबई	10026117	10025049	924	924	8909782	10472239					1142739	1138726	14813619	14941853	**34893181**	**36578791**
उत्तर–पूर्व	5403782	5374480	0	0	1452373	1428357	1321953	1373933					4113142	4170356	**12291250**	**12347126**
ओड़ीशा	11046137	11113045	217	217	2482295	2417391	6462896	6427012					13862531	14053194	**33854076**	**34010859**
प्जाब	10862007	11537940	349	349	8624256	8628408	5857811	5791161					12416478	12540321	**37760901**	**38498179**
राजस्थान	21931602	21809479	320	319	12169474	12239089	6378797	6392508					25142465	25377992	**65622658**	**65819387**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	26500719	26568948	936	936	19013534	19078428	10988625	10886270	95953	97884			24332815	24588139	**80932582**	**81220605**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	34021335	34698177	422	422	23249651	22916343	11622958	11555798					30358695	30607236	**99253061**	**99777976**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	16082476	16596231	262	262	20088352	19945229	5859397	5814474					20430786	20629748	**62461273**	**62985944**
पश्चिम बंगाल	15241724	15249529	943	943	17175245	17065473	2453789	2526005					20358321	20906471	**55230022**	**55748421**
कुल	**344601022**	**348338667**	**9929**	**9926**	**281972180**	**282624805**	**118697376**	**118336288**	**95953**	**97884**	**3309321**	**3304060**	**410730138**	**414996957**	**1159415919**	**1167708587**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**3737645**		**-3**		**652625**		**-361088**		**1931**		**-5261**		**4266819**	**0**	**8292668**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***162757172***	***164886315***	***0***	***0***	***151709028***	***150140922***	***37900055***	***37798661***	***0***	***0***	***45282***	***45255***	**173737644**	**175594997**	**526149181**	**528466150**

अनुलग्नक–**II**

फरवरी, 2021 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	96.76	58.73	92.03		102.30	74.60	**83.80**
असम	99.35	47.23	90.92		-	77.15	**83.56**
बिहार	95.47	48.01	86.96		97.46	89.33	**88.71**
दिल्ली	92.76		79.38	12.94	78.06	65.00	**75.52**
गुजरात	100.76	47.55	93.02		78.06	76.71	**84.37**
हरियाणा	109.08	35.79	93.73		70.93	68.72	**77.93**
हिमाचल प्रदेश	99.28	35.32	100.75		32.29	69.29	**71.03**
जम्मू और कश्मीर	93.06	56.20	86.11		-	74.01	**81.55**
कर्नाटक	93.95	51.86	90.63		75.94	77.45	**83.89**
केरल	100.49	65.90	94.52		49.69	76.34	**84.40**
कोलकाता	94.51	43.97	87.43		-	80.09	**81.83**
मध्य प्रदेश	95.71	45.34	87.04		70.14	85.08	**84.50**
महाराष्ट्र	104.13	58.31	93.96		100.66	84.95	**89.94**
मुंबई	78.14		83.22	36.18	98.27	56.03	**69.26**
उत्तर–पूर्व	102.28	65.54	87.96		-	82.79	**89.95**
ओड़ीशा	100.20	60.57	92.23		24.88	82.43	**84.80**
पंजाब	102.63	41.27	92.71		39.83	63.65	**78.48**
राजस्थान	97.20	45.11	92.67		49.84	72.60	**81.82**
तमिलनाडु	95.98	66.65	93.93		127.99	83.13	**87.64**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	100.17	36.64	89.56		45.02	82.78	**85.04**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	104.35	43.69	88.45		12.60	72.96	**83.43**
पश्चिम बंगाल	96.76	74.79	94.67		20.68	85.38	**90.86**
कुल	**97.47**	**51.72**	**90.61**	**20.95**	**73.89**	**78.16**	**84.09**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21	जनवरी, 21	फरवरी, 21
आन्ध्र प्रदेश	581463	569252			250880	255015	22652	22522	161211	159764			54390	54390	310301	332909	**1380897**	**1393852**
असम	83931	82846											3420	3420	40647	44042	**127998**	**130308**
बिहार	130246	129507					20	20	7349	7353			1770	1770	81321	90851	**220706**	**229501**
दिल्ली			1330306	1323967	1525123	1541281	35635	34968	139601	139643			68204	68294	235832	250723	**3334701**	**3358876**
गुजरात	503687	489127			118288	120160	4706	4700	80893	80591			35222	35792	222795	231532	**965591**	**961902**
हरियाणा	132687	129408			29638	30828	3	3	36110	35840			360	360	110098	112464	**308896**	**308903**
हिमाचल प्रदेश	77857	76575					3	3	1713	1706			30	30	9187	10122	**88790**	**88436**
जम्मू और कश्मीर	90051	87797					0	0	0	0			0	0	72006	76648	**162057**	**164445**
कर्नाटक	751153	730480			801596	802874	27657	27048	259026	258465			90802	97552	220394	251652	**2150628**	**2168071**
केरल	1094760	1057548			65595	66490	5614	5724	19076	19066			6460	7490	64031	68879	**1255536**	**1225197**
कोलकाता	325996	320102			147433	149702	7943	7169	46236	46673			12460	13460	125663	128335	**665731**	**665441**
मध्य प्रदेश	268413	263061			263389	267522	5	5	11284	11233			3645	3645	157873	169731	**704609**	**715197**
महाराष्ट्र	779282	785288			147133	152521	12778	12621	227835	226790			29008	29008	86980	91439	**1283016**	**1297667**
मुंबई			1611240	1598777	388879	396086	67297	65962	491608	490990			122520	123672	361714	375543	**3043258**	**3051030**
उत्तर–पूर्व	70241	68088											270	270	28764	31543	**99275**	**99901**
ओड़िशा	151607	149969					6	6	8133	8078			6330	6510	40538	44467	**206614**	**209030**
पंजाब	236365	231578			146859	149815	2248	1993	12533	12464	210929	219451	2280	2280	86630	89704	**697844**	**707285**
राजस्थान	258557	252667			75111	77253	4697	4605	11590	11796			8490	8490	104406	110559	**462851**	**465370**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	893370	870785			558208	565496	26365	26765	120406	118979			38560	38420	247563	263382	**1884472**	**1883827**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	173268	171291			77908	79694	23	23	7609	7551			19790	19820	121980	131839	**400578**	**410218**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	151245	147246			47044	49395	8	8	4442	4407			5780	5780	176242	190827	**384761**	**397663**
पश्चिम बंगाल	200969	200885					13	3	2309	2328			120	120	46273	51177	**249684**	**254513**
कुल	**6955148**	**6813500**	**2941546**	**2922744**	**4643084**	**4704132**	**217673**	**214148**	**1648964**	**1643717**	**210929**	**219451**	**509911**	**520573**	**2951238**	**3148368**	**20078493**	**20186633**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		**-141648**		**-18802**		**61048**		**-3525**		**-5247**		**8522**		**10662**		**197130**		**108140**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1664392**	**1621689**	**0**	**0**	**0**	**0**	**180**	**180**	**40446**	**40259**	**29114**	**28628**	**0**	**0**	**19387**	**21435**	**1753519**	**1712191**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————